# "उच्चस्तरीय बातचीत भारत और कोरिया के बीच सुदृढ़ संबंधों का आधार रहे हैं"- लोक सभा अध्यक्ष

**नई दिल्ली, 08 मई, 2015:** कोरिया गणराज्य की नेशनल असेम्बली के माननीय अध्यक्ष, श्री चुंग-उई-ह्वा के नेतृत्व में एक संसदीय शिष्टमंडल में आज संसद भवन में लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन से मुलाकात की। अध्यक्ष श्री चुंग-उई-ह्वा के नेतृत्व में कोरियाई संसदीय शिष्टमंडल भारत की संसद के निमंत्रण पर 07 से 10 मई, 2015 तक भारत के दौरे पर आया हुआ है।

श्रीमती महाजन ने शिष्टमंडल का स्वागत किया और आशा व्यक्त की कि इस दौरे से दोनों देशों के बीच लंबे समय से स्थापित मैत्रीपूर्ण संबंध और मजबूत होंगे तथा सहयोग और परस्पर सहायता के नए क्षेत्र खुलेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भगवान बुद्ध के शाश्वत दर्शन में दोनों देशों के लोगों के जीवन और विचारधारा को प्रभावित किया है और दोनों देशों के बीच मजबूत और साझे संबंध का सूत्र रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और कोरियाई राष्ट्रपति श्री पार्क ग्यून-ह्वे के बीच सार्थक द्विपक्षीय बैठक का उल्लेख करते हुए श्रीमती महाजन ने कहा कि उच्चस्तरीय बातचीत भारत और कोरिया के बीच सुदृढ़ संबंधों का आधार रहे हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री की आगामी यात्रा का उल्लेख करते हुए यह आशा व्यक्त की कि इस यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को एक नया आयाम मिलेगा।

श्रीमती महाजन ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी, वस्त्र, सुरक्षा और ऊर्जा अन्वेषण कुछ ऐसे प्रमुख क्षेत्र हैं जिनमें भारत और कोरिया एक दूसरे के अनुभवों से लाभान्वित हो सकते हैं। इस संबंध में श्रीमती सुमित्रा महाजन ने कोरियाई शिष्टमंडल के सदस्यों से भारत को एक निर्यात केन्द्र बनाने का अनुरोध किया। गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर की कविता "लैम्प ऑफ द ईस्ट " तथा कोरिया में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में उनके योगदान का उल्लेख करते हुए श्रीमती महाजन ने कोरिया गणराज्य में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना की सराहना करते हुए कोरिया में भारतीय संस्कृति और विचारधारा को बढ़ावा देने में इसके योगदान का भी उल्लेख किया। अध्यक्ष ने भारत में कोरिया के लोगों को उपलब्ध टूरिस्ट वीसा ऑन अराइवल की सुविधा का भी उल्लेख किया।

कोरिया गणराज्य की नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष और शिष्टमंडल के नेता, श्री चुंग-उई-ह्वा ने श्रीमती महाजन को इस दौरे के दौरान उनके और उनके शिष्टमंडल के गर्मजोशी से किए गए

स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने यह आशा व्यक्त की कि उनके शिष्टमंडल के दौरे से दोनों देशों के बीच संसदीय संबंध और मजबूत होंगे और इस दौरे की सफलता से अधिकाधिक शिष्टमंडलों के आदान-प्रदान होंगे।